

VIDYASAGAR UNIVERSITY

Paschim Midnapore, West Bengal



PROPOSED CURRICULUM & SYLLABUS (DRAFT) OF

BACHELOR OF ARTS (HONOURS)

MAJOR IN HINDI

4-YEAR UNDERGRADUATE PROGRAMME

(w.e.f. Academic Year 2023-2024)

Based on

Curriculum & Credit Framework for Undergraduate Programmes

(CCFUP), 2023 & NEP, 2020

VIDYASAGAR UNIVERSITY, PASCHIM MIDNAPORE, WEST BENGAL

VIDYASAGAR UNIVERSITY
BACHELOR OF ARTS (HONOURS) MAJOR IN HINDI
(under CCFUP, 2023)

Level	YR.	SEM	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	L-T-P	Marks			
								CA	ESE	TOTAL	
BA (Hons.)	2 nd	III	SEMESTER-III								
			Major-3	HINHMJ03	T: मध्यकालीन हिंदी कविता	4	3-1-0	15	60	75	
			Major-4	HINHMJ04	T: हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान	4	3-1-0	15	60	75	
			SEC	HINSSEC03	P: सृजनात्मक लेखन (Practical)	3	0-0-3	10	40	50	
			AEC	AEC03	Communicative English -2 (<i>common for all programmes</i>)	2	2-0-0	10	40	50	
			MDC	MDC03	Multidisciplinary Course -3 (<i>to be chosen from the list</i>)	3	3-0-0	10	40	50	
			Minor -3 (Disc.-I)	HINMIN03	T: सम्पादन प्रक्रिया और साज - सज्जा	4	3-1-0	15	60	75	
		Semester-III Total						20			375
		IV	SEMESTER-IV								
			Major-5	HINHMJ05	T: आधुनिक हिंदी कविता (छायावाद तक)	4	3-1-0	15	60	75	
			Major-6	HINHMJ06	T: हिंदी नाट्य और एकांकी साहित्य	4	3-1-0	15	60	75	
			Major-7	HINHMJ07	T: कथा-साहित्य	4	3-1-0	15	60	75	
			AEC	AEC04	MIL-2 (<i>common for all programmes</i>)	2	2-0-0	10	40	50	
			Minor-4 (Disc.-II)	HINMIN04	T: छायावाद	4	3-1-0	15	60	75	
			Internship/ Apprent.	INT	Internship/ Apprenticeship - activities to be decided by the Colleges following the guidelines to be given later	4	0-0-4	-	-	50	
		Semester-IV Total						22			400
		TOTAL of YEAR-2						42			775

MJ = Major, MI = Minor Course, SEC = Skill Enhancement Course, AEC = Ability Enhancement Course, MDC = Multidisciplinary Course, CA= Continuous Assessment, ESE= End Semester Examination, T = Theory, P= Practical, L-T-P = Lecture-Tutorial-Practical, MIL = Modern Indian Language,

MAJOR (MJ)

MJ-3: मध्यकालीन हिन्दी कविता

Credits 04

MJ-3T: मध्यकालीन हिन्दी कविता

Full Marks: 75

Course Contents:

कबीर : कबीर ग्रंथावाली : श्यामसुन्दर दास , लोकभरती प्रकाशन
पद :

1. चलन चलन सब को कहत है , नाँ जाँननों बैकुंठ कहाँ है ।
2. माया तजुँ तजी नहीं जाइ , फिर फिर माया मोहि लपटाइ ।
3. मन रे तन कागद का पुतला ।
4. हरि जननी में बालिक तेरा , काहे न औगुण बकसहु मेरा ।

दोहे:

1. सतगुरु की महिमा अनंत ।
2. ऐसी बाँणी बोलिये , मन का आपा खोड़ ।
3. सुखिया सब संसार है , खाये अरू सोवै ।
4. माया तजी तौँ का भाया , मानि तजी नहीं जाइ ।

जायसी : नागमती वियोगखण्ड , पद्मावत , सं० वसुदेशरण अग्रवाल
पद :

1. नागमती चितउर पंथ हेरा ।
2. पिउ वियोग अस बाउर जीऊ ।
3. चढ़ा असाढ़ गगन घर गाजा ।
4. पूस जाइ थरथर तन काँपा ।
5. कुहकि कुहकि जसि कोइलि रोई ।

सूरदास : भ्रमरगीत सार - सं० रामचंद्र शुक्ल

1. आयो घोष बड़ो व्यापारी
2. अखियाँ हरि दरसन को भूखी
3. अलि हो ! कैसे कहाँ
4. निर्गुन कौन देस को बासी
5. उधो ! ब्रज की दशा विचारो

तुलसीदास : विनयपत्रिका : तुलसीदास , गीताप्रेस गोरखपुर

1. ऐसी मूढ़ता या मन की ।
2. जाऊँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे ।
3. अबलों नसानी अब न नसैहों ।
4. ऐसे को उदार जग माहीं ।
5. जाके प्रिय न राम बैदेही ।

मीराबाई : मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी , वाणी प्रकाशन

1. मैं बिरहिणि बैठी जागू जगत सब सोवै री आली ।
2. मैं गिरधर रंगराती सैयां मैं गिरधर रंगराती ।
3. चलो मन गंगा जमना तीर ।
4. नहीं ऐसा जनम बारबार ।
5. मेरे मन राग बसी ।

रहीम : रहीम ग्रंथावली : विद्यानिवास मिश्र , गोविंद रजनीश , वाणी प्रकाशन

1. जाल परे जल जात बहि , तजि मीनन को मोह ।
2. जो रहिमन उत्तम प्रकृति , का करि सकत कुसंग ।
3. धूरि धरत नित सीस पर कहु रहीम केहि काज ।
4. प्रीतम छवि नैनन बसी , पर छवि कहाँ समाय ।
5. माँगें घटत रहीम पद , कितो करा बड़ काम ।
6. रहिमन अँसुवा नयन ढरि जिय दुख प्रगट करेई ।
7. रहिमन जिह्वा बावरी, कहि गई सरग पताल ।
8. रहिमन पानी राखिये बिन पानी सब सून ।
9. रहिमन राज सराहिये, ससि सम सुखद जो होई ।
10. सर सूखे पंछी उडै , औरै सरन्ह समाहिं ।

बिहारी : बिहारी रत्नाकर : श्री जगन्नाथदास 'रत्नाकर' , प्रकाशन संस्थान दरियागंज

1. मेरी भव-बाधा हरौ , राधा नागरि सोड़ ।
2. तो पर वारौं उरबसी, सुनि राधिके सुजान ।
3. कहत, नटत, रीझत, खिझत , मिलत , खिलत , लजियात ।
4. नहिं पराग नहिं मधुर मधु नहिं बिकासु इहिं काल ।
5. मंगल बिन्दु सुरंगु , मुख ससि , केसरि आड़ गुरु ।
6. तंत्री- नाद , कवित-रस , सरस राग , रति-रंग ।
7. या अनुरागी चित्त की गति समुझौ नहिं कोड़ ।

8. बसै बुराई जासु तन, ताहि कौ सनमानु ।
9. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ ।
10. कहलाने एकत बसत अहि मयूर, मृग बाघ ।

घनानन्द : धनानंद कवित्त : आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , संजय बुक सेंटर , वाराणसी

1. रावरे रूप की रीति अनूप ।
2. लाजनि लपेटि चितवनि भेद-भाम भरी ।
3. हीन भएँ जल मीन अधीन ।
4. मीत सुजान अनीत करौ जिन
5. अति सूधो सनेह को मारग है ।

रसखान : रसखान रचनावली , सं विश्वनाथ प्रसाद मिश्र , सत्यदेव मिश्र , वाणी प्रकाशन

1. मानुष हौं तो वही रसखानि बसौं ब्रज गोकुल गाँव के ग्वारन ।
2. या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहुँ पुर को तजि डारौं ।
3. धूर भरे अति शोभित स्याम जू तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी ।
4. सेस गनेस महेस दिनेस सुरेसहु जाहि निरन्तर गावैं ।

MJ-4: हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

Credits 04

MJ-4T: हिन्दी भाषा एवं भाषा विज्ञान

Full Marks: 75

Course Contents:

1. भाषा : परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली ।
2. भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध ।
3. स्वनिम विज्ञान : परिभाषा, स्वन, वागीन्द्रियाँ, स्वनों का वर्गीकरण - स्थान और प्रयत्न के आधार पर, स्वन परिवर्तन के कारण ।
4. रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप (पद) , पद विभाग -- नाम, आख्यात, उपसर्ग और निपात ।
5. वाक्य विज्ञान -- वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण ।
6. अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ के संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ ।
7. अपभ्रंश, राजस्थानी, अवधी, ब्रज तथा खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ ।
8. राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी ।
9. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास ।

MJ-5: आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

Credits 04

MJ-5T: आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

Full Marks: 75

Course Contents:

भारतेन्दु : होली , निजभाषा उन्नति अहै , भारत-दुर्दशा (गीत) ।

अयोध्यासिंह उपाध्यय 'हरिऔध' : प्रियप्रवास (प्रथम सर्ग) , प्रार्थना ।

मैथलीशरण गुप्त : किसान , कैकयी का अनुताप , महाभिनिष्क्रमण ।

रामनरेश त्रिपाठी : आगे बड़े चलेंगे , वह देश कौन सा है , कामना ।

जयशंकर प्रसाद : हिमाद्रि तृंग श्रग से , आत्मकथा ।

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : तोड़ती पत्थर , भिक्षुक , स्नेह निझर बह गया ।

सुमित्रा नन्दन पंत : परिवर्तन , भारतमाता ग्रामवासनी, द्रुत झरो जगत के
जीर्ण-पत्र।

महादेवी वर्मा : बिन भी हूँ मैं तुम्हारी रागनि भी हूँ , मैं नीर भरी दुख
की बदली , विरह का जलजात जीवन

MJ-6: हिंदी नाट्य और एकांकी साहित्य

Credits 04

MJ-6T: हिंदी नाट्य और एकांकी साहित्य

Full Marks: 75

Course Contents:

नाटक

अंधेर नगरी	- भारतेन्दु हरिश्चंद्र
ध्रुवस्वामिनी	- जयशंकर प्रसाद
आषाढ का एक दिन	- मोहन राकेश
माधवी	- भीष्म साहनी

एकांकी

औरंगजेब की आखिरी रात	- रामकुमार वर्मा
दीपदान	- रामकुमार वर्मा
और वह जा न सकी	- विष्णु प्रभाकर
भोर का तारा	- जगदीशचंद्र माथुर

MJ-7: कथा-साहित्य

Credits 04

MJ-7T: कथा-साहित्य

Full Marks: 75

Course Contents:

हिन्दी उपन्यास

- त्यागपत्र - जैनेन्द्र कुमार
- मानस का हंस - अमृतलाल नागर
- महाभोज - मन्नू भंडारी

हिन्दी कहानी

- उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- पूस की रात - प्रेमचंद
- आकाशदीप - जयशंकर प्रसाद
- हार की जीत - सुदर्शन
- पाजेब - जैनेन्द्र कुमार
- तीसरी कसम - फणीश्वरनाथ रेणु
- परिंदे - निर्मल वर्मा
- सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
- पिता - ज्ञानरंजन

MINOR (MI)

MI-3: सम्पादन प्रक्रिया और साज - सज्जा

Credits 04

MI-3T: सम्पादन प्रक्रिया और साज - सज्जा

Full Marks: 75

Course Contents:

संपादन : अवधारणा, उद्देश्य, आधारभूत तत्व, निष्पक्षता और सामाजिक संदर्भ,

समाचार विश्लेषण, संपादन-कला के सामान्य सिद्धांत ।

संपादक और उपसंपादक : योग्यता, दायित्व और महत्व ।

समाचार मूल्य, लीड, आमुख, शीर्षक-लेखन आदि प्रत्येक दृष्टि से चयनित सामग्री

का मूल्यांकन और संपादन। संपादन चिह्न और वर्तनी पुस्तिका । प्रिंट मीडिया की

प्रयोजनपरक शब्दावली ।

संपादकीय लेखन : प्रमुख तत्व एवं प्रविधि। संपादकीय का सामाजिक प्रभाव ।

समाचार पत्र और पत्रिका के विविध स्तंभों की योजना और उनका संपादन ।

साहित्य और कला जगत की सामग्री के संपादन की विशेषताएँ। छायाचित्र,

कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि का संपादन ।

हिंदी के राष्ट्रीय और प्रांतीय समाचार पत्रों की भाषा, आंचलिक प्रभाव और

वर्तनी की समस्याएँ ।

साज-सज्जा और तैयारी : ग्राफिक्स और आकल्पन के मूलभूत सिद्धांत। मुद्रण

के तरीके, दैनिक समाचार पत्र का पृष्ठ-निर्माण (डमी) पत्रिका की साज-

सज्जा, रंग-संयोजन ।

MI-4: छायावाद

Credits 04

MI-4T: छायावाद

Full Marks: 75

Content/ Syllabus:

छायावाद सामान्य परिचय कवि एवं रचनाएँ

जयशंकर प्रसाद

1 . हिमाद्रि तुंग श्रृंग से

2. तुमुल कोलाहल कलह में

3. कौन तुम संसृति जल निधि तीर
4. मेरे नाविक

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

1. भारती वंदना
2. बादल राग-1
3. स्नेह निर्झर बह गया
4. गहन है यह अंधकारा

सुमित्रानंदन पंत

1. नौका विहार
2. ताज
3. द्रुत झरो
4. आ धरती कितना देती है

महादेवी वर्मा

1. धीरे-धीरे उतर क्षितिज से
2. मधुर-मधुर मेरे दीपक जल
3. पंथ होने दो अपरिचित
4. मैं नीर भरी दुःख की बदली

SKILL ENHANCEMENT COURSE (SEC)

SEC 3: सर्जनात्मक लेखन

Credits 03

SEC3P: सर्जनात्मक लेखन

Full Marks: 50

Content/ Syllabus:

1. रिपोर्ताज : अर्थ, स्वरूप, रिपोर्ताज एवं अन्य गद्य रूप, रिपोर्ताज और फीचर लेखन-प्रविधि ।
2. फीचर लेखन : विषय-चयन, सामग्री-निर्धारण, लेखन-प्रविधि । सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, विज्ञान, पर्यावरण, खेलकूद से संबद्ध विषयों पर फीचर लेखन ।
3. साक्षात्कार (इंटरव्यू/भेंटवार्ता) : उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार-प्रविधि, महत्व ।
4. स्तंभ लेखन : समाचार पत्र के विविध स्तंभ, स्तंभ लेखन की विशेषताएँ,
5. समाचार, पत्र और सावधि पत्रिकाओं के लिए समसामयिक, ज्ञानवर्धक और
6. मनोरंजक सामग्री का लेखन। सप्ताहांत अतिरिक्त सामग्री और परिशिष्ट ।
7. दृश्य-सामग्री (छायाचित्र, कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स आदि) से संबंधित लेखन ।
8. बाजार, खेलकूद, फिल्म, पुस्तक और कला समीक्षा ।
9. आर्थिक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता, ग्रामीण और विकास पत्रकारिता, फोटो पत्रकारिता ।

ABILITY ENHANCEMENT COURSE (AEC)

AEC –04: MIL (Hindi) – 2 हिंदी भाषा और संप्रेषण

Credits 02 Marks: 50

Course Content:

1. भाषा की परिभाषा, प्रकृति एवं प्रवृद्धि।
2. हिंदी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया, विभक्ति, सर्वनाम, विशेषण एवं अव्यय।
3. हिंदी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन।
4. हिंदी की वर्ण व्यवस्था : ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
5. भाषा संप्रेषण के चरण : श्रवण, अभिव्यक्ति, वाचन तथा लेखन।
6. हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य भेद, वाक्य का रूपांतर।
7. भावार्थ और व्याख्या, आशय लेखन,
8. विविध प्रकार के पत्र लेखन।